श्री सभापति : अभी अभी ऐसा हो जाता है ।

श्री दिनेश सिंह : जी हां ।

EXPULSION OF INDIAN JOURNALISTS FROM NEPAL

*8. SHRI V. M. CHORDIA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that during last few months some Indian journalists have ibeen expelled from Nepal by the Nepalese Government; if so, what are the details thereof;

(b) what has been the report of our Embassy in Nepal in this respect; and

(c) what action has been taken by the Indian Government in this connection?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DINESH SINGH): (a) Yes, Sir. Two Indian journalists were expelled ■from Nepal by the Nepalese Government—Shri V. R. Mohinder, Representative of the 'Hindustan Times' on February 15, 1962 and Shri P. C. Tandon; Representative of the 'Times of India' on April 9, 1962.

(b) Our Embassy informed us that the Nepalese authorities regarded their reporting unsympathetic, incorrect and critical of the present regime in Nepal.

(c) No action was considered necessary.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या माननीय मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि भारत सरकार ने भी इस बात की जांच की अथवा नहीं कि उन रिपोर्टर्स द्वारा कुछ ऐसा प्रकाशन किया जा रहा था जैसा कि नेपाल सरकार ने आरोप लगाया है ?

श्री दिनेश सिंह : इसकी जांच करना मुश्किल है, लेकिन उससे कोई फर्क नहीं पड़ता । एक सरकार, जहां कि ऐसे लोग रहते हैं, अगर यह महसूस करती है कि उन का वहां रहना ठीक नहीं है, तो ऐसे मसले में हम बहुत कम बात कर सकते हैं ।

SHRI M. P. BHARGAVA: May I know whether the Nepalese Government had given any prior intimation to the Indian Embassy about the expulsion of these press correspondents from their country?

SHRI DINESH SINGH: They had informed the correspondents themselves.

SHRI RAJENDRA PRATAP-SINHA: May I know if the Government of India is aware that the foreign journalists and correspondents, particularly Indian correspondents, are working under very difficult conditions *m.* Nepal and they are not permitted by the present regime there to function normally, to perform the functions of journalists?

SHRI JAWAHARLAL NEHRU: That is likely to happen, Sir.

SHRI RAJENDRA PRATAP SINHA: What steps do the Government propose to take so that our journalists function there normally?

SHRI JAWAHARLAL NEHRU: None, Sir.

डेरा बाबा नानक में स्थित रावी के पुल का दिया जाना

*९. **श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया** : क्या **प्रधान मंत्री** जी यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अमृतसर जिले के उत्तर-पश्चिम में स्थित डेरा बाबा नानक में रावी के पुल को, जिस के आधे हिस्से पर १९४७ से भारत का कब्जा था और रावी के दक्षिण की ओर पुल के साथ लगी डेरा बाबा नानक ग्राम

†[ ] English translation.

की जमीन को पाकिस्तान को दे देने के क्या कारण हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि पाकिस्तान ने रावी के दूसरी ओर उत्तर में स्थित जमीन भारत को दे दी है ; और

(ग) क्या यह सच है कि उपरोक्त भाग (ख) में वर्णित जमीन तक जाने के लिये कोई पुल नहीं है और वहां पर कोई बसा हुआ नहीं है ?

t [HANDING OVER OP BRIDGE ON RAVI AT DERA BABA NANAK

•'9. SHRI V. M. CHORDIA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the reasons for handing over to Pakistan the bridge on the river Ravi at Dera Baba Nanak situated in the North-West of Amritsar District, hal'f of which was under India's occupation since 1947 and the land of the village Dera Baba Nanak adjoining the bridge on the Southern side of Ravi;

Ob) whether it is a fact that Pakistan handed over to India the land in the North on the other side of Ravi; and

(c) whether it is a fact that there is no bridge ta reach the laud mentioned in part (b) above and that it is uninhabitated?]

वैदेशिक कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) यह १९४७ के रेडक्लिफ पंचाट (एवार्ड) को लागू करने के लिये किया गया था ।

(ख) जी हां ।

(ग) जी हां । प्रश्न के भाग (ख) में जिस क्षेत्र का उल्लेख किया गया है, उसकी आबादी के विषय में राज्य सरकार से सूचना प्राप्त की जा रही है ।

f[THE DEPUTY MINISTER IN TOT MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DINESH SINGH): (a) This was done in implementation of the Rad-cliffe Award of 1947;

Ob) Yes, Sir;

(c) Yes, Sir; information regarding the population of the area mentioned in part Ob) *of* the Question is being obtained from the State Government.}

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या माननीय मंत्री महोदय बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भारतवर्ष की तो उपजाऊ जमीन उनको दे दी गई है और पाकिस्तान की जो थोड़ी बहुत जमीन भारत को मिली है वह उपजाऊ नहीं है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : यह तो बड़ा मुश्किल है कहना । वह एक एवार्ड हुआ था , रेडक्लिफ एवार्ड, उसके हिसाब से जितनी जिसके हिस्से में आई उसमें किसी को अच्छी जमीन मिली, कहीं किसी को खराब मिली ।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया: यह जब एवार्ड हुआ होगा तब भारत की सहमति के बिना नहीं हुआ होगा, तो क्या भारत ने इसके बारे में कोई रेप्रिजेंटेशन किया था कि उधर पाकिस्तान की सीमा में जो जमीन हमको मिल रही है वह उतनी अच्छी जमीन नहीं है, जितनी अच्छी जमीन हम उनको दे रहे हैं ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : जमीन का बटवारा वहां इस तरह नहीं हुआ है अच्छी या खराब जमीन बराबर मिले, बल्कि चन्द असूलों के तहत जस्टिस रेड-क्लिफ़ ने तय किया कि कहां सरहद हो । उनके कमिशन में एक जज हिन्दुस्तान की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के थे और एक जज पाकि-

f[ ] English translation.

स्तान की तरफ से थे। उस कमिटी में कसरत राय से यह तय किया गया।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या यह बात सही है कि उस वक्त यह तय हुआ था कि वहां पर जो टावर हैं हिन्दुतान के और पाकिस्तान के, वे अपनी अपनी सीमा में रोड़े हटाये जायें और हिन्दुस्तान ने तो अपना टावर नष्ट कर दिया और पाकिस्तान के कुछ टावर अभी तक नष्ट नहीं किये गये।

श्री दिनेश सिंह : जी नहीं, वहां पर सीमा के ऊपर सही सही निशान लगाये गये हैं;

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : मैं टावर के बारे में प्रश्न पूछ रहा हूं कि पाकिस्तान के टावर नष्ट किये गये अथवा नहीं ?

(No reply.)

SHRI T. S. AVINASHILINGAM CHETTIAR: Since it was all going on in Hindi, may I know, Sir, the answers given to parts (b) and (c)?

fSsmi DINESH SINGH: These are the answers—

(a) This was done in implementation of the Radcliffe Award ol 1947;

<fo) Yes, Sir;

(e) Yes, Sir; information regarding the population of the area mentioned ■in part (b) of the question is being obtained from the State Government.

SHRI JL\ S. AVINASHILINGAM CHETTIAR: Since the land that belongs to India is divided by that river and the bridge cannot be used by the Indian nationals, may I know, Sir, how they get into touch with the mainland?

SHRI DINESH SINGH: They cross the river by boats.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या माननीय मंत्री जी बतायेंगे कि जो उधर का हिस्सा है जो नदी के उस पार है उसको पहुंचने के लिये भारतीय किस मार्ग से जायेंगे ? क्या इसके लिये कुछ व्यवस्था है ?

श्री दिनेश सिंह : मैंने अभी अर्ज किया कि नाव से वहां जा सकते हैं।

SHRI T. S. AVINASHILINGAM CHETTIAR: The river belongs to whom?

श्री दिनेश सिंह : नदी तो बड़ी लम्बी है, कुछ किसी के हिस्से में है और कुछ किसी के हिस्से में है लेकिन जो हमारी जमीन है उसके बीच में जो है वह हमारे में है।

SHRI T. S. AVINASHILINGAM CHETTIAR: Let me understand what you say.

SHRI DINESH SINGH: The river In its long course belongs to various countries, but m that particular area it belongs to us.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या माननीय मंत्री जी बतायेंगे कि भारतवर्ष की कितनी भूमि जो १९४७ के बाद हमारे कब्जे में थी वह पाकिस्तान को दी गई और पाकिस्तान की कितनी एकड़ भूमि अपने को दी गई ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : इसका जवाब देना मुश्किल है लेकिन इसका जवाब पहले हो चुका है। सारे फिगर्स, सारे फैक्ट्स यहां बता दिये गये थे जब कि वह हुआ था।

DISPOSAL OF LT.-COL HATTACHAHYA% APPEAL BY PAKISTAN

•10. SHRI A. B. VAJPAYEE: Wm the PRIME MINISTER be pleased to state whether the appeal filed by Lt-Col. Bhattacharya against his convic-